एक फोन आते ही चल पड़े थे रेस्क्यू के लिए

कई लोगों की जान बचा लौटे उत्तरकाशी के जांबाज

अमर उजाला ब्यूरो

- 19 जून को किया था केदारनाथ कूच
- बताया, अब भी जंगल में पड़े हैं कई शव

उत्तरकाशी। 'मुंबई की एनआरआई पटेल फैमिली के सात सदस्य केदारनाथ की ओर जंगलचट्टी और गौरीकुंड के बीच फंसे हैं। सरकारी मदद का निश्चित भरोसा नहीं मिल रहा है। प्लीज आप इन्हें बचा लो।'

अहमदाबाद गुजरात से नवीन का यह फोन आते ही उत्तरकाशी की स्नो स्पाइडर ट्रैक एंड टूर एजेंसी के भागवत सेमवाल समेत महेंद्र, सुभाष, राजेंद्र, राजू, संदीप, लोकेंद्र आदि नौ जांबाज युवक 19 जून को केदारनाथ की ओर कूच कर गए। गुहार लगाने वाले विश्वास भी कैसे तोड़ते वर्ष 2008 में भी उनके लिए रामबाड़ा में रेस्क्यू अभियान चलाया था। खड़ी पहाड़ी वाले जंगल के रास्ते तय करते हुए गौरीकुंड, जंगलचट्टी पहुंचे इन युवकों ने जान पर खेल कर न सिर्फ इस फैमिली के सदस्यों को सुरक्षित स्थान तक पहुंचाया, बल्कि वहां अन्य कई यात्रियों की सहायता भी की। पहाड़ की ढाल पर ऐसी जगह हेलीपैड तैयार करने में सेना की मदद की, जहां कोई सोच भी नहीं सकता।

चार दिनी रेस्क्यू ऑपरेशन पूरा कर लौट कर इन युवकों ने बताया कि उस क्षेत्र में स्थिति बहुत खराब है। जंगलचट्टी व गौरीकुंड के बीच डेढ़ किमी रास्ता पूरी तरह गायब होने पर यात्रियों ने पहाड़ के रास्ते नीचे उतरने की कोशिश की और इस प्रयास में दर्जनों पहाड़ी से गिरकर काल के गाल में समा गए। अब भी जंगल में कई लाशें पड़ी हैं। ये लाशें और वहां फैली गंदगी सड़ांध मारने लगी है, जिससे महामारी का खतरा मंडरा रहा है।